तो मेरा नाम नरेन्द्र दामोदर दास मोदी नहीं!

-विनोद शंकर

आप के पास पैसा है
आधुनिक ज्ञान विज्ञान है
तो मेरे पास देश है
जहां प्राकृतिक सम्पदा से भरा
सैंकड़ों नदियां जंगल पहाड़ और
हज़ारों एकड़ खेत हैं
आप आइए मेरे देश में पैसा लगाइये
जितना मन करे
उतना मुनाफ़ा कमाइए
डरने की कोई बात नहीं
यहां आप की ही राज्य है सरकार है
पुलिस और प्रशासन सब आपका दास है
कोई कुछ नहीं बोलेगा
सब आप के सामने हाथ जोड़ेगा
ये मेरा आप से वादा और विश्वास है!
गांव हो या शहर
अब लगेगी हर जगह
आप की ही मोहर
यहां का बच्चा-बच्चा
आप का गुण गायेगा
मेक इन इण्डिया के बहाने
साम्राज्यवाद जिन्दाबाद का नारा लगायेगा
बस आप आइये
मेरे देश में अपनी कम्पनी लगाइये
और जितना मन करे
उतना मुनाफ़ा कमाइये
इतने सस्ते मज़दूर
इतनी सस्ती ज़मीन
और इतना बड़ा आप को सेवक
दुनिया में कहीं नहीं मिलेगा
इस पर विश्वास जताइये
सामाज्यवाद का झण्डा
भारत में फहराइये
इतिहास में मेरा देश
बहुत महान रहा है
उसे वैसा ही महान बनाइये
राम राज्य लाइये
मुझ मोदी को भी राम और श्याम की तरह
महान और अवतार बनाइये!
हे अमेरीका जापान और चीन
मुझे और न इंतज़ार कराइये
साफ़-साफ़ बताइये
आप जो कहेंगे मैं वही करुंगा
पहले हिन्दुत्व के लिये
हत्यारा और बलात्कारी बना
अब आपके लिये भी बनूंगा
बस एक बार फ़रमाइये
फ़िर मोदी का करिश्मा देखिये
जय श्री राम के साथ
जय साम्राज्यवाद का नारा सुनिये
जो गूंजेगा हर गांव और हर शहर में
जंगल और पहाड़ में
स्कूल और कॉलेज में
अगर कोई माई का लाल इसके खिलाफ़ आवाज
उठा दिया
तो मेरा नाम नरेन्द्र दामोदर दास मोदी नहीं!

स्मार्ट सिटी का ढोल अंदर से पोलमपोल

फ़रीदाबाद (म.मो.) शहर का नाम स्मार्ट सिटी में शामिल होते ही फ़रीदाबाद के कमलगट्टों ने अपनी खूद की पीठ थपथपाना शुरू कर सारे शहर में मुख्यमंत्री खट्टर के.पी गुर्जर व अपने क्षेत्र के विधायकों के साथ अपने फ़ोटो लगाकर होर्डिंग लगवा दिए। जैसे इनके कहने पर ही फ़रीदाबाद को स्मार्ट सिटी में शामिल किया गया हो। जबकि असलियत में सारे शहर में कूड़ा भरा पड़ा है । व खम्भे स्मार्ट सिटी बनने के बधाइयों से जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी का स्वच्छ भारत का अभियान बेटी बचाओ बेटी पढाओ महिलाओं के लिये नित नई योजनाएं खुड्डे लाईन लगी पड़ी है। उससे तो एक बात साफ़ है कि मोदी व भाजपा के मंत्री विधायक सिर्फ़ हवाबाज़ी करने पर लगे हुए हैं। जिस स्मार्ट सिटी के गीत भाजपा गा रही है उस स्मार्ट सिटी में लोग पानी की बूंद-बूंद के लिये तरस रहे हैं। रोज़ाना जनता प्रशासनिक अधिकारियों के दफ़्तरों के बाहर धरना प्रर्दशन कर अपना रोष जता रहे हैं। शहर में जनता पानी को खरीदकर पीने के लिये मजबूर है। हर दिन जनता को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिये मंत्री विधायकों के घर के धक्के खाने पड़ रहे हैं। पूरा शहर अतिक्रमण व अवैध निर्माणों के जाल में फंसा हुआ है। कानून व्यवस्था का दिवाला निकला पड़ा है। अपराधी खुलेआम अपराध कर जनता के लिये सिरदर्द बने हुए है।

अभी हाल ही में ओल्ड फ़रीदाबाद के मेंहदी व्यापारी के बेटे अंकित की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं क्षेत्र के विधायक कभी क्रिकेट मैच करवा कर तो कभी तिरंगा लहराकर तो कभी डिजिटलरैलियां करावाक जो ड्रामेबाज़ी करने में जुटे हैं। उन्होंने इन ड्रामेबाजियों की जगह ज़रा सी दिलचस्पी अपने क्षेत्र के विकास की ली होती तो क्षेत्रवासियों को आज नारकीय जीवन न जीना पड़ता। वहीं बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा व उनके कमलगट्टों ने शहर में स्मार्ट सिटी बनाने पर बधाईयों के बोर्ड तो लगा लिए। लेकिन उनके निवास स्थान को जाने वाली सड़क अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। एनएच-1,2,3,5 नम्बर में सबसे ज़्यादा अवैध निर्माणों व सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़े धड़ल्ले से हो रहे हैं। वहीं क्षेत्रवासियों का कहना है कि विधायिका चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र में झांकी तक नहीं। जो विधायक एवं प्रशासन जनता को मूलभूत सुविधाएं न दे सके वो स्मार्ट सिटी का ढोल तो कम से कम न पीटें।

यूं तो शहर के हर चौक-चौराहे गली-लुक्कड़ पर गंदगी के ढेर, अवैध कब्ज़े, अवैध पार्किंग व ट्रैफ़िक जाम कभी भी देखा जा सकता है। परंतु ढाई छटांक बारिस होने के बाद सड़कों पर ट्रैफ़िक जाम तो बढ़ता ही है पैदल चलना तो और भी दूभर हो जाता है। यही है हमारा स्मार्ट सिटी।

अक्षत यौवना क्यों ?

कितनी महिलायें है जिनकी शादी की उम्र कब की गुज़र गई लेकिन अभी तक शादी या तो की नहीं या हुई नहीं। 30 की, 35 की, 40 की हो चुकीं लेकिन अभी तक वर्जिनिटी बचाकर रखी हुई है।

कारण हैं..; धार्मिक-पारिवारिक और सामाजिक संस्कारों के वे बंधन जिन्होंने इनके मन को और उस मन ने उनके तन को इस मान्यता के तले जकड़ रखा है कि शादी से पहले किसी भी पुरुष को अपनी देह को छूने नहीं देना है, उसको अपने इकलौते होने वाले पति के लिए बचाकर रखना है भले ही इस कोशिश में सोलहवां सावन तो क्या, छब्बीसवां, छत्तीसवां या छयालीसवां सावन यूं ही रूखा-सूखा गुज़र जाए..!!

अगर कोई अनब्याही लड़की इन संस्कारी बंधनो को तोड़-मरोड़कर अपने मन और तन को उनसे आज़ाद कर दे, अपने मनपसंद साथी के साथ सोए, उसको शारीरिक सुख दे, उससे शारीरिक सुख हासिल करे तो वह इस समाज में आवारा, बदचलन, चरित्रहीन घोषित हो जाती है।

क्यों भई ?

आखिर उसने ऐसा कौन-सा अनोखा काम किया है जो हमारे-आपके घर की सम्मानित चाचियां, मौसियां, मामियां, भाभियां और दीदियां शादी के बाद पहली रात से ही नहीं करतीं ?

शादी के बाद जो काम सम्मानित हो जाता है, शादी से पहले वह काम घटिया कैसे हो सकता है ??

जिसका ना पति हो.. न ही कोई प्रेमी। सारी उमर वह औरतें क्या कुंवारी ही रहे ?

वर्जिन और अनटच्ट ?

पुरुष के स्पर्श से पूरी तरह अछूती ?

सारी उमर आलिंगन सुख से अनजान-अपरिचित ?

सारी उमर ?

अगर हां तो क्यों ?

क्या एक इंसान के रूप में उनको वह हक, वह सुख नहीं मिलना चाहिए जो इस सृष्टि के हर जीव-जंतु को हासिल है ?

उन्होंने शादी नहीं की या उनकी शादी नहीं हुई, तो क्या इस कारण उनको आजीवन देहसुख से वंचित रहने की सज़ा भी मिलनी चाहिए ?

और बहुत सारी लड़कियां हैं जो शादी करना ही नहीं चाहतीं।

संदेह का लाभ जैसा कानूनी नियम बिहार के मुख्यमंत्री सुशासन बाबू नीतीश कुमार के लिए ही बना होगा

बिहार बोर्ड की टापर रूबी राय हाजीपुर स्थित विशुन देव राय कॉलेज की छात्रा है।कॉलेज के संचालक बच्चा राय राजद के नेता हैं। संभवत: रूबी राय और बच्चा राय दोनों ही यादव है। बिहार में राजद और जदयू की संयुक्त सरकार है जिसमे राजद के ज्यादा विधायक है। सरकार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी यादव जाति के लोगों की है। ऐसे में किसी ऐसी छात्र/छात्रा जिसे अपने द्वारा सर्वाधिक अंक लाये विषय का ए, बी, सी, डी, भी न मालूम हो, उसका टॉप करना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।बस अंतर इतना ही है की कल तक इस व्यवस्था का लाभ सवर्ण जाति के लोग ले रहे थे, आज यादव मजबूत है तो वे भी ले रहे हैं । भविष्य में गैर यादव पिछड़ी जाति और दलित भी लेंगे यदि राजनीतिक और सामाजिक रूप से मजबूत हुए तो। आखिर भारतीय समाज में जुगा ? और व्यवस्था जैसे शब्दों की भी अपनी महत्ता है जिसे समझना होगा।

बिहार की शिक्षा व्यवस्था में इस तरह की धांधली कोई नई बात नहीं है और इस समस्या का निराकरण भी लालू-नितीश या किसी पार्टी, व्यक्ति विशेष को गरियाने से नहीं होगा। भारत एक जुगा ? प्रधान देश है। यहाँ मेहनत की बदौलत ही सबकुछ हासिल नहीं होता !

अल्लाह का शुक्र है

यक्ष - हफ्ते के सातों दिन किसने बनाये ?
युधिष्ठिर - और कौन बना सकता है। अपने भगवान जी ने , बस एक दिन छोड कर।
यक्ष - कौन सा दिन भगवान ने नही बनाया ?
युधिष्ठिर - शुक्र। क्योंकि , अल्लाह का शुक्र है ।
यक्ष - ये तुम कैसे जानते हो ?
युधिष्ठिर - ये हम जानते नही , ये हम मानते है। हमारी मान्यताएं हमारी जानकारी से ज्यादा प्रबल है।
यक्ष - तो अल्लाह का शुक्र क्यों मानते हो ?
युधिष्ठिर - इसलिये क्योंकि टिपिकल सेकुलर हिन्दू हूँ ।
एक दिन बहुत है। इससे ज्यादा अकमोडेट करना अपीजमेंट कहलाता है ।

- पंकज मिश्र

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5,**
2. **प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,**
3. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,**
4. **रैंक, 45 नीलम चौक,**
5. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,**
6. **राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,**
7. **हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास ।**
8. **जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207**
9. **स्थानीय अदालतों में : चैम्बर नं. 56-एस.के .जोशी - वकील साहब**